प्रकृतिवाद

✓ प्रकृतिवाद वह विचारधारा है जिसका मुख्य कार्य आध्यात्मिकता को अस्वीकार करना है अथवा प्रकृति तथा मनुष्य के चिंतन में उन विचारो को स्थान देना है जो मनुष्य के अनुभव से परे नही है। - जायसे

✓ **प्रकृतिवाद के रूप:-** ✓ पदार्थवादी प्रकृतिवाद
✓ यन्त्रवादी प्रकृतिवाद
✓ जैविक प्रकृतिवाद

✓ **प्रकृतिवाद के सिद्धान्त:-** संसार एक महान यंत्र है, मानव भी एक अंग है।
- ✓ मनुष्य की समस्त शक्तियाँ उसकी प्रकृति के अनुसार सीमित है।
- ✓ मनुष्य जन्मजात एवं मूल प्रवृत्तियो के सिवा कुछ नही है।
- ✓ वर्तमान जीवन ही वास्तविक जीवन है।
- ✓ अंतिम सत्ता भौतिक तत्व है।
- ✓ समस्त संसार की व्याख्या प्राकृतिक शिक्षा द्वारा ही हो सकती है।

✓ **विशेषताऐं:-**
(i) प्रकृति की ओर लौटो
(ii) पुस्तकीय ज्ञान का विरोध
(3) व्यवहारिक जीवन पर बल
(4) इन्द्रिय प्रशिक्षण
(5) बालक को स्वतन्त्रता
(6) वैज्ञानिक ज्ञान का प्रयोग
(7) प्रगतिवादी
(8) बालकेन्द्रित शिक्षा
(9) निषेधात्मक शिक्षा

✓ **प्रकृतिवाद की देन:-**
(i) मनोवैज्ञानिकीकरण
(2) वैज्ञानिक ज्ञान को महत्व
(3) बालकेन्द्रित शिक्षा
(4) बालक की स्वतंत्रता
(5) इन्द्रिय प्रशिक्षण को प्रोत्साहन

✓ **प्रकृतिवाद का नारा** - स्वतंत्रता

✓ **प्रकृतिवाद के दोष:-**
(1) वर्तमान उपयोगिता पर बल।
(2) पुस्तको की अवहेलना।
(3) शारीरिक शिक्षा पर अधिक बल।
(4) बालक की अनियंत्रित स्वतंत्रता।
(5) शिक्षक का महत्व नही।
(6) अनुशासन प्रकृति द्वारा उचित नही

✓ **शिक्षण विधियाँ:-** खेल पद्धति, प्रोजक्ट पद्धति, मान्टेसरी पद्धति, प्रत्यक्ष प्रणाली निरीक्षण पद्धति, अन्वेषण पद्धति।

✓ **पाठ्यक्रम:-** शरीरविज्ञान, स्वास्थ्य विज्ञान, गणित, इतिहास, अर्थशास्त्र, भूगोल, कला, भाषा, साहित्य, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राज॰ शास्त्र।

Scanned with CamScanner